IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, December 2022
Impact Factor: 6.252

महामानव स्वामी विवेकानन्द : प्रथम सांस्कृतिक राजदूत

डॉ. संजीव कुमार पाण्डेय
प्रभारी प्राचार्य एवं सहायक प्राध्यापक (विधि)
संस्कार विधि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)

शोध सारांश : भारत की पुण्यभूमि में समय–समय पर महापुरुषों ने जन्म लेकर सम्पूर्ण मानवता के कल्याण की दिशा में अप्रतिम योगदान दिये हैं। कालजयी एवं प्रस्थानत्रयी ग्रन्थ श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि **धर्म संस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे, युगे।** (गीता 4/8) अर्थात् धर्म की स्थापना के लिए मैं युग–युग में आता हूँ और जन्म लेता हूँ। स्वामी विवेकानन्द के जीवन मूल्यों पर आधारित शोध पत्र लिखने का एक अनुपम प्रयास है।

मुख्य शब्द : महामानव, स्वामी विवेकानन्द, प्रथम सांस्कृतिक, राजदूत, गौरवशाली, सनातन संस्कृति ख्यातिलब्ध, कुशाग्रबुद्धि आदि।

संदर्भ स्रोतः

[1]. गीता 4/8
[2]. शिवमह्मिनः स्त्रोत 7
[3]. ऋग्वेद 1/164/46
[4]. बी.एल. फड़िया,